

卷之四

267

नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवाः
 मामकाः पाण्डवाश्चैव
 त्रैलोक्यमहामनाः
 संजय ॥ १ ॥
 संजय उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
 पश्यन् महाबलान्
 पराक्रमी पाण्डुपुत्रं
 त्रैलोक्यमहामनाम्
 ॥ २ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
 पश्यन् महाबलान्
 पराक्रमी पाण्डुपुत्रं
 त्रैलोक्यमहामनाम्
 ॥ ३ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
 पश्यन् महाबलान्
 पराक्रमी पाण्डुपुत्रं
 त्रैलोक्यमहामनाम्
 ॥ ४ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
 पश्यन् महाबलान्
 पराक्रमी पाण्डुपुत्रं
 त्रैलोक्यमहामनाम्
 ॥ ५ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
 पश्यन् महाबलान्
 पराक्रमी पाण्डुपुत्रं
 त्रैलोक्यमहामनाम्
 ॥ ६ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
 पश्यन् महाबलान्
 पराक्रमी पाण्डुपुत्रं
 त्रैलोक्यमहामनाम्
 ॥ ७ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
 पश्यन् महाबलान्
 पराक्रमी पाण्डुपुत्रं
 त्रैलोक्यमहामनाम्
 ॥ ८ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
 पश्यन् महाबलान्
 पराक्रमी पाण्डुपुत्रं
 त्रैलोक्यमहामनाम्
 ॥ ९ ॥
 पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
 पश्यन् महाबलान्
 पराक्रमी पाण्डुपुत्रं
 त्रैलोक्यमहामनाम्
 ॥ १० ॥

उनमा ४ व ड स ल्याय ॥ ॥

अनु न नि हि हि हि

न्य पि के न न श्राम का

स दू प द्य म म्वात्रे

द श्राम का य लि दु इ यि र नि श्रय नं ॥ १ ॥

प तार्क म थो म्वा द र स नाः

या व त म द्म व न म म्वा य म फू

नि श्रय नं श्राम का य लि दु

॥ २ ॥ अ य द् ॥ इ रु ड् श्राम का य कृ प लि मा ड् ॥ ३ ॥

इ यि र स वा चा य म म्वा ल

य र सा द्म र थो थो न न ड पा य या हु नं

लि व थ पि थ इ इ व चि त पा चू क माल ॥ ३ ॥

द व षः थ का य् श्र ग च न ला ग र स म् दू व ड् थो

स म य ह तः श्राम का य् म त रः चि त लि का हु नः

प्रा ध या य इ स लि धू म त र ॥ ४ ॥

श्राम का य् कृ प लि मा ड् ॥ ५ ॥

चा य म म्वा ल श्रव ल्प नं लि ध इ ल व ॥ ५ ॥

र र र

स कृ पा ल

ध न

का य लि

क न द व

नि श्रय नं श्राम का य लि

त्रा क म्वा द

श्रति श्र म्वा

ह ता य चा य म त र

थो थो चि त ना वि

स म् दू व ड् थो

म दू न वि

थो थो चि त ना वि

थो थो चि त ना वि

थो थो चि त ना वि

॥ अथवा ॥ इदं ने पिच्छ कल्पन नाम का मु यो य था कु चन
अत्र वि शोध जाय चि क्क ना या त अ का य या य म त ल म सि
धु ॥ ६ ॥ अथवा ॥ ध्या पाल द या ष अ म का य य ध ल न र्सा वि द्य
इ ई आ त न थ ऽत चि क्क त्या क स धा या थ या कु न्ने
लि ध ई व ॥ ७ ॥ अथवा ॥ इदं ने पिच्छ कल्पन नाम का
जि चि क्क न थ जि व या को उ पा य न लि ध यि व स ता ष
इ त ऽम स फ्र या दे स त ल र्सा ए य म द ल कि र्ति वि ई

ग्या प म स्ना ल के लि ध इ यि ऽम द ॥ ८ ॥ अथवा ॥
ध्या पाले द व ष अ म का य या प या दे थ वि त्वा ल म
ते व स लि ल ल व र म ष इ य रु थ व अ त मा त क म या
या म ल व रु ने अ म का य वि वा ध म त व म न ल
क ल या य म त व का य म लि ष म त व म व ना ल रु
न्य ॥ ९ ॥ अथवा ॥ ध्या पाले द व ष अ म का य ऽव मा
ता व उ ये द ष क ल र्हा ई व द ध चेत इ ल न्य
अ म के व त न व म ल र्सा म रु न क व धि चि त या

त आमकार्य लिख्यके आक ॥ १० ॥ अयय ॥ ध्या
 मे दवष आमकार्य कात्रवड ध्या जिविता मजितारा
 तप चेत लक्ष्मन्म हयः आमकार्य मलिधु नितलि
 काहुनिः ॥ ११ ॥ अरुद ॥ ध्यामे दवष आमकार्य
 आकासल चोन स्वाध्वं धव आदिमदुः चिकपि तमद
 ध्याकार्य मलिधु ॥ १२ ॥ अरुव ॥ ऊरु आमकार्य
 ध्यामे दाम हयायम म्वाः लार दयितः मित्रय का
 दयित सना चायम म्वाल ॥ १३ ॥ अयय ॥ ध्यामे

दवषाध आमकार्य सामवड ध्या अरुव हित याहुने
 आरुव धिदिह कन्यम गवः हेति न धया ध्या या
 ऊरु ध्या निच्य अनलिधु इवष्य ॥ १४ ॥ अरुय ॥ ध्या
 पासे दवष आमकार्य अरुवा तन वैज धया
 ध्या पास्यायाय मजितु दाम न ह स्य यक ग ह सड
 ध्या वृद्धि नया य मगेल आकार्य लिधयि वानि
 सवय न ॥ १५ ॥ ध्यामे दवष
 अरुव ॥

20021412215-11012

דבר נא ליהוה אלהינו

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हिंसा निजि ~~पा~~ चिदा ~~सुख~~ सुखी जा ॥ १ ॥

उनेका निने छिगानका - ~~विना~~ ३१/१०/११ ॥
११/१०/११ ॥

परापत्यै निमध्यमा वेदरी गूढमयोजिता ॥ २५ ॥

मनसा निरुक्ता मनमकुला निरुक्ता

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

[illegible]

धर्मविद्यामयुधिता जीवनलक्षणे ॥ ४ ॥

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

भजन

नमामि अपराजिता श्रीद्विपुत्रा लिङ्गं जिता ॥
सदानभक्तिप्रेकेता ध्वं धृतिविजिह्व जिता ॥ १ ॥
शानमकुटु जिता नाम धा पुकार धृता ॥
परुषधर्मनिमेषमा वैरुति बोधयु जिता ॥ २ ॥
जीजी धा धृतिवसुका ध्वमन कर्मिह जिता ॥
गुणमिवेवामकुधता जाग्रतेतुल्यजुल जिता ॥ ३ ॥
अशानजिगुहोपिता धिचरुताभक्तिधृता ॥
इति भक्त्या ध्वजिता

विभवसिद्धिरीता धर्मो धर्मविधिरुता ॥ ४ ॥
भगवन्भजेया इतिता निर्गुणसगुननामध्वता ॥
निर्गुणसगुनवेधता नाम जलनकुलितदाता ॥ ५ ॥
गुणधरीसधियानका दिग्वजनीगुमिरुवाधुका ॥
दिनमवीकंजीलाका आशाहायेकमते जिता ॥ ६ ॥
पितेला तुनोदिरामका ध्वमसीका नल्लुधृति ॥
शिवका शक्तिवोलेखा ईमका धृतिधृता ॥ ७ ॥
निहसेधमगुईकिता निहसेधम निहसेधुता ॥
धो ध्वमने धायेधता हावागु दिनमता ईलाता ॥ ८ ॥

लव जा पि अ ट थ धू मा था या हु ने चो ह नू ॥ ध ॥
 हि म दु धा ल ग न ग न हि म दु धा ल ग न ग न ॥
 हि त र च नी ला ग न ग न म र व क न ह ग न ग न ॥ १ ॥
 ध म र ग न प्र ल थ न मु न धो पा व ह ल थ न ॥
 म न ल प्र ल धी रा प्र ल सु ध मि व र व ने ल प्र ल ॥ २ ॥
 पं च ग न वे हि म दु ला म न या हु ने हि म दु ला ॥
 मि पे य हु ने हि म दु ला अ नी ने हु ने हि म दु ला ॥

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥

ति ते मु तां दे क जा म नित्य मु नां दु र क ला ॥
 भ का लि ने लु डे डु ल भु नि ट्य हू ग न गु ना ॥ ४ ॥
 नी र्ग र ह प हू गु ना म न त हू प हू गु ला ॥
 नी जी बा ल हू गु ना ह र व म र व भो गी हू गु ला ॥ ५ ॥
 त न्न वि द्या पी ठ या म ग न पुर म ह र या ॥
 भै र व ला ल अ ग्ग नी या म न म व गु धु वि च य वा ॥ ६ ॥

त म्भ २००२ भा न ग क १५
 त्रयो वं सी च क न हू म न